हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
शनिवार
31 मई 2025, बरेली



# तंबाकू निषेध दिवस : ओरल कैंसर ही नहीं फेफड़ों को गलाता है तंबाकू

**बरेली, प्रमुख संवाददाता।** तंबाकू ओरल कैंसर के साथ फेफड़ों को गला देता है। विश्व में हर साल 70 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो जाती है। साठ लाख से अधिक मृत्यु प्रत्यक्ष तंबाकू उपभोग से होती है। भारत में मौत का प्रमुख कारण तंबाकू है। तंबाकू सेवन करने वालों में दिल की बीमारियों की भी आशंका ज्यादा रहती है।

**70 फीसद कैंसर की वजह है तंबाकू :** एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के ऑकोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ.पियूष कुमार के अनुसार तंबाकू सेवन चाहे किसी रूप में हो यह

खतरनाक और नतीजा कैंसर है। कैंसर की बड़ी वजह तंबाकू ही है। करीब 70 फीसदी मरीज तंबाकू के सेवन या धूम्रपान से कैंसरग्रस्त होते हैं। तंबाकू सेवन का नतीजा मुंह और फेफड़ों के कैंसर के रूप में दिखता है।

## वर्ष 2023-24 में 406 मरीजों का इलाज हुआ था

बरेली। तंबाकू सेवन ओरल कैंसर की सबसे बड़ी वजह है। जिले में ओरल कैंसर के करीब 75 फीसदी मरीज तंबाकू सेवन के आदी रह चुके हैं। डाक्टर आशीष ने बताया कि वर्ष 2023- 24 में 406 मरीजों का इलाज हुआ था, वहीं 2024-25 में 724 मरीजों को उपचार लेना पड़ा। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से तंबाकू निषेध कार्यक्रम के तहत बीते वर्ष 175 लोगों का चालान भी काटा गया। वहीं किसी भी अन्य कैंसर के मुकाबले फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या अधिक है।

डॉ. मनोज तांगड़ी।

डॉ. ललित सिंह।

डॉ. पियूष।

## एडवांस स्टेज में होती है तंबाकू के कैंसर

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के पल्मोनरी विभाग के एचओडी डॉ.ललित सिंह कहते हैं कि तंबाकू का सेवन कैंसर की सबसे बड़ी वजह है। जागरूकता की कमी इसे तेजी से बढ़ा रही है। 70 फीसद केस में कैंसर होने की जानकारी एडवांस स्टेज में मिलती है। उपचार मिलने के बाद भी इन्हें 2.5 साल से ज्यादा जिंदा रहने का मौका नहीं मिलता। ऐसे में तंबाकू से बचाव ही एकमात्र उपाय है।

## गर्भावस्था और नवजात बच्चों पर प्रभाव

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में गायनी ऑंको सर्जन डॉ.मनोज कुमार तांगड़ी कहते हैं कि धूम्रपान का गर्भावस्था के दौरान और नवजात बच्चों पर भी हानिकारक असर पड़ता है। गर्भावस्था के दौरान एक्टिव या पैसिव धूम्रपान से रक्तस्राव, अस्वाभाविक गर्भावस्था, गर्भस्राव-गर्भपात, बच्चे का समय से पहले जन्म, मृत जन्म और प्लेसेंटा की असामान्यताएं होने की आशंका बढ़ जाती है।